





Form the Desk of the Principal

Education should be rigorous enough to reduce the gap between the weak and the exemplary. Modern India needs a system which can survive at least for couple of centuries in the wake of diminishing boundaries of Nation. This statement of mine, I truly believe, my team honestly professes and practices. We strive hard to shape young minds, who can make a significant contribution to the development of society and Nation in the most dedicated way.



I acknowledge that parents and guardians are the primary educators, school is an extension for acquiring fundamental knowledge and the college is a place to impart "knowledge by doing" and "knowledge from experience". Believe me, it's a joint effort and for complete education of our students we need to perform with trust of togetherness. Together we can and together we will transform every dream into reality.

I welcome you to be one proud member of this large college family which comprises of dedicated teachers, members of the staff, students and parents belonging to various castes, creeds, culture and sects. A society that's rich in experience and articulate in values.

A handwritten signature of Dr. Sanjay Kumar Choudhary.

Dr. Sanjay Kumar Choudhary
Principal



 तेजनारायण गणेशी महाविद्यालय, भागलपुर (विहार)



Principal's Profile

Born at his native place Bhagalpur in the year 1964, a proud member of an illustrious family of village Bhavnathpur, of Bhagalpur district, he grew to lead one of the oldest and one of the famous institute of higher learning, of this part of our nation.

Educated at Mount Carmel School, Bhagalpur and after he has to go through many schools because of his father who was working on a transferable job as an Electrical Engineer of Bihar State Electricity Board. He completed his Matriculation from Haridas Seminary High School, Gaya. Did his Intermediate (I.Sc.) from T.N.B. College, Bhagalpur and became a Postgraduate Engineer (M.Tech in Material Technology) from R.I.T. Jamshedpur under Ranchi Univ. after completing his M.Sc. in Physics. He also acquired Ph.D. degree both in Applied Physics and Electronics. He has attended several seminars, symposium and has large number of quality research articles to his credit.

He started his career as a faculty member in the department of Applied Physics in B.I.T. Mesra, Ranchi and was associated with an ISRO Project related to Plasma Science & Technology (Surface Coating). He became Principal, first in the year 2007 under U.P. Technical University and then became permanent principal in Jai Prakash University, Chapra in the year 2009. In the year 2015, because of Inter University Transfer his services were transferred to T.M. Bhagalpur University. And at present he is the Principal of T.N.B. College, Bhagalpur.



2

Shot on Red
By Richa



स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन, अनुशासन, नियमित अध्यापन, परित्र परीक्षा एवं उदात्त चरित्र निर्माण

गौरवशाली संक्षिप्त इतिहास

तेजनारायण बौद्धी महाविद्यालय पहले तेजनारायण जुवली महाविद्यालय के नाम से जाना जाता था। प्राचीनता की दृष्टि से विहार का यह दूसरा महाविद्यालय है। समस्त पूर्व भारत में जब उच्चतर विकास संस्थान गिरे-चुने ही थे, तब इस महाविद्यालय का नाम अग्रणी था। सर्वोप्रथम यह महाविद्यालय कलकत्ता विश्वविद्यालय से सम्बद्ध था और बाद में एटना विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद उससे सम्बद्ध हुआ। रीर्ख काल से ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाला यह महाविद्यालय स्वतन्त्रता सेनानियों के अध्ययन-अध्यापन का भी प्रमुख केन्द्र रहा है। महाविद्यालय के संस्थापक राय बडादुर तेजनारायण सिंह बडादुर के नाम के साथ महाराजा विकटोरिया के राज्यारोहण की स्वर्ण जयन्ती से सम्बद्ध 'जुवली' शब्द के जुड़ने से तेजनारायण जुवली महाविद्यालय बना। 1959 ई० में यह महाविद्यालय विहार विश्वविद्यालय से जुड़ा और इसी वर्ष बौद्धी राज परिवार का नाम जोड़ देने से सम्प्रति तेजनारायण बौद्धी महाविद्यालय के नाम से विख्यात है। 1960 ई० में तेजनारायण बौद्धी महाविद्यालय ही भागलपुर विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ और विश्वविद्यालय-महाविद्यालय के रूप में विश्वविद्यालय की समस्त गतिविधियों का केन्द्र बन गया।

सन् 1883 ई० में भागलपुर के प्रसिद्ध शियानुरागी राय बडादुर तेजनारायण सिंह ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाया। उन्होंने उच्चवर्गीय अंतर्राष्ट्रीय (हाई क्लास इंग्लिश स्कूल) की स्थापना की। जब ही इस महाविद्यालय में कलकत्ता विश्वविद्यालय के अन्तर्गत प्रवेशिका (इंट्रेस) की पढ़ाई ली जाई। कियोंकि एक भवन में स्थापित इस विषयग्रन्थालय को अल्पकाल में ही राय बडादुर तेजनारायण सिंह की सदाशयन से अपना भवन ग्रान दो गया। इस भवन के निर्माण के लिए भागलपुर के एक प्रमुख व्यक्ति, जमीदार एवं जनसेवक बाबू जगन्नाथ सहाय ने भूमि प्रदान की और राय बडादुर तेजनारायण सिंह ने अपनी धनराशि से उस पर भवन-निर्माण करवाया। साथ ही उन्होंने विभिन्न प्रकार के उपकरण और एक पुस्तकालय प्रशान किया। 18 अगस्त 1883 ई० को राय बडादुर तेजनारायण सिंह ने नगर के लव्यप्रतिष्ठ शिया-प्रोमियों के साथ भिलकर अटारह सौ रुपये प्रतिवर्ष के एक न्यास (ट्रस्ट) की स्थापना की तथा इसके सभूणी विकास के लिए तीन थोपे जमीन भी उपलब्ध करवाई। उन्होंने इस न्यास में बाबू जगन्नाथ सहाय, श्री तारींगी प्रसाद, श्री वीरांत चन्द्र चटर्जी तथा श्री लालोली मोहन थोप जैसे शिक्षानुरागियों की सम्मिलित किया। सन् 1887 ई० में महाराजा विकटोरिया की राज्यार्थियों की स्वर्ण जयन्ती के शुभ अवसर पर इस संस्था को दितीय श्रेणी के महाविद्यालय (सेकेंड ड्रेड कॉलेज) के रूप में परिणत एवं विकसित किया गया।

Shot On
By Rich



तेजनारायण बनैली महाविद्यालय, भागलपुर (बिहार)

और जनवरी 1952 ई० तक महाविद्यालय के समस्त घाटे की पूर्ति सरकार ने की। बिहार विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ सरकार से महाविद्यालय का वित्तीय दायित्व विश्वविद्यालय ने ले लिया। रसायन विज्ञान की प्रयोगशाला के निर्माण के लिए सरकार ने तेरह हजार रुपयों का अनुदान दिया और सुगेर के राजा देवकीनन्दन सिंह ने भी दस हजार रुपयों का दान दिया। राज बनैली की रानी रमावती ने स्नातक कक्षा तक जीव विज्ञान के अध्यापन के लिए एक हजार रुपयों का अनुदान दिया।

सन् 1949-50 ई० में सरकार ने महाविद्यालय के विकास के लिए छह लाख रुपयों का अनुदान दिया। इस धनराशि से विज्ञान भवन, छात्रावास, प्राच्याभाषों के लिए आवास और अन्य विभागों के निर्माण के लिए चौहत्तर एकड़ भूमि अर्जित की गयी। इसी धनराशि के एक हिस्से से 1973 ई० में दुमोजिला भौतिकी भवन का निर्माण किया गया। धीरे-धीरे इस महाविद्यालय का महत्व बढ़ता गया और इसी महत्व को व्याप्ति में रखकर भागलपुर में आवासीय विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु एवं इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय-महाविद्यालय बनाने के उद्देश्य से यहाँ विभिन्न संस्कृतों के स्नातकोत्तर विभाग खोले गये। बिहार विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति राय बहादुर श्यामनन्दन सहाय के सौजन्य से महाविद्यालय में एक विकित्सा केन्द्र की स्थापना भी हुई थी।

सन् 1960 ई० में भागलपुर विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही इस महाविद्यालय में विद्यार्थियों के मनोरञ्जन आदि के लिए भवन का निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन तत्कालीन राज्यपाल-सह-कुलाधिपति डॉ जाकिर हुसैन के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ। इस महाविद्यालय के विशाल स्टेडियम का शिलान्यास भी डॉ जाकिर हुसैन ने ही किया था और जिसका उद्घाटन सुप्रसिद्ध शिला शास्त्री एवं कीड़ा प्रेमी जनाब मोइनुल हक साहब ने किया। बाद में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं बिहार सरकार से प्राप्त अनुदान से जीव-विज्ञान के लिए भवन का निर्माण कराया गया।

वर्तमान समय में महाविद्यालय में उन्नीस (19) विषयों में सम्मान की पद्धाई के साथ तीन व्यावसायिक पाद्यक्रम-वायोटेक्नोलॉजी, बी० सी० ए० एवम् डी० पी० सी० की पद्धाई सुचारू रूप से संवालित की जा रही है। भविष्य में कुछ और व्यावसायिक पाद्यक्रमों को आरम्भ करने की योजना है। पांच विषयों- भौतिकी, रसायन-शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में स्नातकोत्तर (P.G.) की पद्धाई जारी है। महाविद्यालय में नालन्दा युला विश्वविद्यालय (N.O.U.) का अध्ययन केन्द्र भी स्थित है। NAAC द्वारा 2014 में महाविद्यालय को A श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है। महाविद्यालय में E-Library, Language-Lab पूरे महाविद्यालय परिसर में Wi-Fi तथा छात्राओं के लिए Girl's Hostel की सुविधा प्रदान की गयी है। आने वाले दिनों में Commerce की पद्धाई होगी। महाविद्यालय प्रशासन शैक्षिक युग्मता को अग्रसर करने हेतु सतत संचेष्ट है।

realme

यहाँ कला की प्रथम परीक्षा (एफ.ए.) के लिए अध्यापन प्रारम्भ हुआ और यह संस्था प्राचीन कलकत्ता विश्वविद्यालय का सम्बद्ध महाविद्यालय घोषित हुआ। सन् 1890 ई० में महाविद्यालय के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया, जब तमाम उपर्करों से लैस कर प्रथम श्रेणी के महाविद्यालय के रूप में विकसित किया गया। बाद में स्नातक कक्षाओं की व्यवस्था की गयी और कलकत्ता विश्वविद्यालय के अन्तर्गत कक्षा एवं विद्यि सङ्कायों की स्नातक परीक्षाओं के लिए पढ़ाई होने लगी।

राय बहादुर तेजनारायण सिंह तथा उनके सुपुत्र श्री दीपनारायण सिंह ने 15 मार्च 1895 ई० में इस महाविद्यालय की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के लिए सम्प्रिलिपि रूप से बारह सौ रुपये के वार्षिक न्यास का गठन किया। आवास की सुविधा प्रदान करने के लिए सन् 1901-02 ई० में महाविद्यालय शुल्क एवं अर्थदण्ड एवं उर्ध्वकृत दोनों न्यासों से सञ्चित घनराशि से कुछ नये भवनों का निर्माण करवाया गया। सन् 1903 ई० में बनैली राज्य से इस संस्था का सम्बन्ध जुड़ा। इसी वर्ष राजा कलानन्द सिंह और राजा कृत्यानन्द सिंह ने सम्प्रिलिपि रूप से कुल एक सौ रुपये प्रतिमाह का अनुदान देना प्रारम्भ किया। सन् 1904 ई० में भागलपुर लेग की चपेट में आया, जिसका इस महाविद्यालय की आर्थिक स्थिति पर भी गहरा प्रभाव पड़ा। संकट की इस घड़ी में श्री दीपनारायण सिंह ने महाविद्यालय को तत्काल दस हजार रुपयों का अनुदान दिया। साथ ही, इस राशि से भी संस्था की आवश्यकताओं की पूर्ति सम्भव नहीं देखकर उन्होंने बारह सौ रुपये प्रतिवर्ष का एक तीसरे न्यास का गठन किया।

सन् 1904 ई० में गवर्नर जनरल द्वारा भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम पारित किया गया। इस अधिनियम के अनुसार महाविद्यालय एवं विद्यालय दोनों को अलग-अलग किया गया। इसके फलस्वरूप महाविद्यालय के प्रशासनिक ढाँचे में महत्वपूर्ण बदलाव आये। उच्चतर वेतन पर प्राचार्य एवं अनेक प्राच्यापकों की नियुक्तियाँ की गयीं, जिससे महाविद्यालय का व्यवहार आया। ऐसी स्थिति में महाविद्यालय के न्यासकर्त्ताओं की इच्छा के अनुरूप राजा कलानन्द सिंह तथा राजा कृत्यानन्द सिंह ने इस महाविद्यालय के प्रशासन एवं सञ्चालन का भार ग्रहण किया तथा महाविद्यालय के नाम पर पन्द्रह-बीस हजार रुपये वार्षिक आय योग्य एक सम्पत्ति का न्यास गठित किया। महाविद्यालय के संविधान में आमूल परिवर्तन किये गये। दोनों राजाओं ने 30 जनवरी 1913 को एक विभिन्न उपबन्धों वाला एक ठोस दस्तावेज जारी किया।

सन् 1913 ई० में ही दोनों राजाओं ने इस महाविद्यालय को साठ एकड़ भूमि एवं छह लाख रुपयों की घनराशि प्रदान की। साथ ही, उन्होंने महाविद्यालय के लिए अपनी सम्पदा (इस्टेट) के एक भाग से सोलह हजार रुपयों के एक वार्षिक न्यास का गठन किया। उसी वर्ष सरकार ने एक हजार रुपये प्रतिमाह का अनुदान देना प्रारम्भ किया। सरकार ने 1917 ई० में महाविद्यालय के नये भवन के लिए पर्याप्त अनुदान दिया। सन् 1922 ई० में राजकीय सहायता से वर्तमान भवन निर्मित हुआ और राय बहादुर तेजनारायण सिंह द्वारा निर्मित भवन कॉलेजिएट स्कूल को मिल गया।

सन् 1927 ई० में सरकार ने पांच वर्षों के लिए सत्तावन हजार रुपये प्रति वर्ष अनुदान देना प्रारम्भ किया। पुनः सरकार ने इस महाविद्यालय के महत्व को स्वीकार करते हुए इसे घाटानुदान महाविद्यालय का स्तर प्रदान किया।

तेजनारायण बौद्धी महाविद्यालय, भागलपुर (बिहार)

नामांकन विवरणिका सह निर्देशिका

1 तेजनारायण बौद्धी महाविद्यालय में इंटर (+2), त्रिवर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा (कला एवं विज्ञान) एवं स्नातकोत्तर (अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन शास्त्र, बनस्पति विज्ञान एवं गणित) स्तर तक अध्ययन-अध्यापन होता है।

2 (अ) नामांकन के लिए विहित आवेदन प्रपत्र महाविद्यालय कार्यालय से 150 रुपये नगद देने अथवा 200 रुपये बन्दीआईर द्वारा भेजने पर ग्रात होता है।

3 महाविद्यालय द्वारा नामांकन के लिए आवेदन प्रपत्र निर्गत किये जाने की तिथि की सूचना विद्यालय-महाविद्यालयों की सम्बद्ध परीक्षा का परिचाप घोषित होने के बाद समाचार भंगों, कॉलेज के Website एवं महाविद्यालय सूचना-पट पर प्रसारित कर दी जाती है।

4 निर्धारित अन्तिम तिथि के बीत जाने पर ग्रात आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाता है।

5 आवेदन प्रपत्र प्रलेख कार्यालयस के पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 2.00 बजे तक ही महाविद्यालय कार्यालय से निर्धारित मृत्यु पर ग्रात होगा एवं वर्णित समयानुसार ही जमा किया जा सकेगा।

6 आवेदन करने की अन्तिम तिथि के बीत जाने पर आवेदन प्रपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा और न ही इसे जमा लिया जायेगा।

7 अद्यूत आवेदन - पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

8 आरक्षणीय स्थानों को छोड़कर श्रीप के लिए अभ्यर्थियों का चयन अहंता (व्यालिफाइंग) परीक्षा के अतिरिक्त विषय को छोड़कर कुल प्राप्तांक तथा महाविद्यालय के नामांकन नियम के अनुसार ही होगा।

9 चयन सूची महाविद्यालय के सूचना पट पर और महाविद्यालय Website पर सूचित कर दी जायेगी। चर्चित अभ्यर्थियों को पर के पते पर सूचना नहीं भेजी जाती है।

10 यदि चयन सूची में उल्लिखित तिथि तक अभ्यर्थी अपना नामांकन नहीं करा लेते हैं, तो नामांकन के लिए उनके दावे पर विचार नहीं किया जायेगा।

11 हर वर्ग में नामांकन के लिए स्थान निर्धारित है।

12 अनुसूचित जाति के लिए 16% अनुसूचित जनजाति के लिए 01%, अत्यन्त पिछड़ी जाति सूची 'एक' के लिए 18%, पिछड़ी जाति सूची 'दो' के लिए 12% तथा आरक्षित वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए 3% नामांकन के स्थान आवंशिक है।

13 अनुसूचित जनजाति के लिए नामांकन हेतु आरक्षित स्थान के रिक्त रहने की अवस्था में इन स्थानों का उपयोग अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के नामांकन के लिए किया जायेगा।

14 अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के नामांकन के पश्चात् यदि आरक्षित स्थान रह जाते हैं, तो इनका उपयोग अत्यन्त पिछड़ी जाति सूची 'एक' के अभ्यर्थियों के नामांकन के लिए किया जायेगा।

6

Shobha Choudhury
By Richa



तेजनारायण बनैली महाविद्यालय, भागलपुर (विहार)

15 यदि उपर्युक्त तीनों आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों के नामांकन के पश्चात् स्थान रिक्त रह जाते हैं, तो इनका उपयोग पिछड़ी जाति सूची 'दो' के अभ्यर्थियों के नामांकन के लिए किया जायेगा।

16 उपर्युक्त चारों आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों के नामांकन के पश्चात् भी स्थान रिक्त रह जाते हैं, तो इनका उपयोग आरक्षित वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के नामांकन के लिए किया जायेगा।

17 उपर्युक्त सभी आरक्षित कोटि के अभ्यर्थियों के नामांकन के उपरान्त आरक्षित स्थानों के रिक्त रह जाने की अवस्था में सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों का नामांकन आरक्षित स्थान पर हो सकेगा।

18 आरक्षित स्थानों पर नामांकन के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र पर उचित स्थान पर अपना वर्ग, यथा- अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ी जाति सूची 'एक'/पिछड़ी जाति सूची 'दो' /आरक्षित वर्ग की महिला लिख देना तथा आवेदन पत्र पर संबद्ध वर्ग में निर्धित रूप से सही (/) चिन्हित कर देना अनिवार्य है।

19 अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ी जाति सूची 'एक' एवं सूची 'दो' तथा आरक्षित वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए पहाड़िया सेवा मण्डल के अध्यापक, गिरा कल्याण पदाधिकारी या अनुपांडलाधिकारी से प्राप्त जाति प्रमाण-पत्र की स्वपं अभिप्राप्ति/ छाया प्रति भरे हुए आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य है।

20 अनुसूचित जाति/जनजाति तथा पिछड़ी जाति सूची 'एक' एवं सूची 'दो' तथा आरक्षित वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए अपने शेष के अध्यापिकारी से प्राप्त अपने पिता/अभिभावक की वार्षिक आय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।

21 यदि नामांकन का कोई अन्य उपयुक्त/विशेष अधिकार या आधार हो, तो उसे निर्दिष्ट स्थान पर अंकित कर देना अनिवार्य है।

22 खेल-कूद, सेवानिवृत्त सैनिक के वार्ड, एन. सी. सी. ईत्यादि में विशिष्टता रखनेवाले विद्यार्थियों, विकलांगों, सामान्य कोटि की महिला अभ्यर्थियों एवं विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के विशेष/पदाधिकारी कर्मचारी के पुत्र/पुत्रियों को विश्वविद्यालय द्वारा नियमित नियम के अनुसार नामांकन की सुविधा प्रदान की जाती है।

23 आवेदन-पत्र पर आवेदक की जाति का उल्लेख किया जाना अनिवार्य है। आवेदन पत्र के साथ विद्यालय/महाविद्यालय परिवार प्रमाण-पत्र, घूर्ण परीक्षा के अंडा-पत्र तथा पूर्ण परीक्षा में संभिलित होने के लिए ग्रान्ट प्रवेशपत्र की छाया प्रतियों/अभिप्राप्ति प्रतिलिपियों जया करना तथा नामांकन के सम्बन्धीय उपर्युक्त प्रमाण पत्र एवं दो नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो इत्यादि की मूल प्रतियों जौंब एवं मिलान के लिए प्रस्तुत करना अनिवार्य है। नामांकन के सम्बन्धीय विद्यालय/महाविद्यालय परिवार प्रमाण पत्र महाविद्यालय में जमा कर लिया जायेगा और मूल अंकपत्र एवं प्रवेशपत्र जौंब एवं मिलाने के बाद लौटा दिया जायेगा।

24 नामांकन के प्रमारी प्राप्त्यापक के समक्ष अपने विवर पर साफ-साफ अंथरो में अपना पूरा दस्तावर करना प्रत्येक प्रवेशार्थी के लिए अनिवार्य है। इन दोनों विवों को नामांकन प्रमारी से अभिप्राप्ति करा लेना वांछित है। किसी अन्य अधिकारी द्वारा अभिप्राप्ति विवर स्वीकार नहीं किये जायेंगे। अभिप्राप्ति विवों में से एक को प्रवेशार्थी अपने मूल आवेदन पत्र पर और दूसरे को पहचान पत्र (आइडीट्रॉन कार्ड) पर गोंद से चिपकायेंगे। (इसके लिए प्रवेशार्थी के पास गोंद का एक छोटा दस्तूर रहना जरूरी है।) इन से चिपकाया गया अधिक संरेख किया गया, विवर स्वीकार नहीं किया जायेगा।) पहचान पत्र महाविद्यालय में प्रत्येक दिन लाना अनिवार्य है।

25 प्रवेश के बाद सामान्यतः विषय परिवर्तन नहीं होता है। इसलिए विषयों का चुनाव सोबत समझाकर ही करना चाहिए।

- 
- 26 इस महाविद्यालय से इंटर में उत्तीर्ण आवेदक को विवर्णीय प्रतिष्ठा खण्ड प्रथम वर्ष में नामांकन के लिए आवेदन करते समय महाविद्यालय परिव्याग प्रमाण पत्र जमा करना नहीं पड़ता है।
- 27 नामांकन हो जाने पर प्राप्त रसीद के आधार पर विद्यार्थी महाविद्यालय के पुस्तकालय से पुस्तकालय के उपयोग के लिए पुस्तकालय प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं।
- 28 विवर्णीय स्नातक प्रथम खण्ड के जो विद्यार्थी निःशुल्क आवेदन के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे सूचना निक्षत्रे पर विहित आवेदन प्रपत्र कार्यालय से निर्धारित समय पर प्राप्त कर वाञ्छित सूचनाओं के साथ निर्धारित समय पर जमा कर सकते हैं।
- 29 विवर्णीय स्नातक प्रथम खण्ड में नामांकन के बाद जो छात्र महाविद्यालय छात्रावास में रहना चाहते हैं, वे महाविद्यालय कार्यालय से सूचना प्रसारित होने पर विहित आवेदन प्रपत्र निर्धारित मूल्य पर खरीदेंगे और उसे अच्छी तरह भरकर अपेक्षित कागजात के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा कर देंगे। निर्धारित अन्तिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर विचार नहीं होगा।
- 30 छात्रावास के लिए चयनित अन्यर्थी महाविद्यालय कार्यालय में निर्धारित नामांकन शुल्क एवं छात्रावास शुल्क जमाकर रसीद प्राप्त कर लेंगे। वे इस रसीद को दिखलाकर ही छात्रावास में अपने लिए स्थान प्राप्त कर सकेंगे।
- 31 चयनित छात्राएँ महाविद्यालय महिला छात्रावास में नामांकन ले सकेंगी।
- 32 छात्रावास में नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो जाने के पश्चात् अधिवासी के पिता/अभिभावक/स्थानीय अपिभावक के लिए प्रत्येक तीन महीने के अन्तराल पर छात्रावास अधीक्षक से अधवा अधीक्षक की अनुपस्थिति में उपाधीक्षक से मिलना तथा अधिवासी के सम्बन्ध में सन्तोषप्रद प्रगति और आचरण सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
- 33 महाविद्यालय के वर्तमान चार छात्रावासों में स्थान सीमित है। अतएव बाहर से आकर महाविद्यालय में नामांकित होने वाले विद्यार्थियों को पहले ही अपने रहने तथा स्थानीय संरक्षण की समुचित व्यवस्था कर लेनी चाहिए। बाद में छात्रावास के लिए चयनित होने पर वे आवणिट छात्रावासों में चले जायेंगे। निवास एवं संरक्षण का सन्तोषजनक व्यवस्था नहीं रहने पर छात्र का नाम महाविद्यालय-पञ्जी से काट दिया जा सकता है।
- 34 अधीक्षक की देखरेख में प्रत्येक छात्रावास की पाकशाला चलती है। छात्रावास में खाना बनाना मना है, पकड़ जाने पर दंड के भागी होंगे।
- 35 प्रवेशार्थी एहतान पत्र पर अपेक्षित विवरण नामांकन प्रभारी के समक्ष स्वयं भर लेंगे और उस पर वही प्रथानाचार्य के हस्ताक्षर की मुहर लगवा लेंगे। विद्यार्थियों को “एहतान पत्र” के साथ महाविद्यालय आना अनिवार्य होगा।
- 36 नामांकित विद्यार्थियों के लिए एन.सी.सी., खेल-कूद, वाट-विवाद, संगोष्ठी तथा अन्य सर्जनात्मक एवं साकार्यक्रमों में भाग लेना चाहित/अपेक्षित है।
- 37 जिस वर्ग खण्ड में नामांकन हो चुका है, पूरी चर्यावधि में उसी वर्ग खण्ड में विद्यार्थी रहेंगे।
- 38 अन्य महाविद्यालय से स्नातक खण्ड 2 एवं खण्ड 3 में स्थानान्तरण के आधार पर नामांकन नहीं लिया जाएगा।



39 विद्यार्थियों को नियमित रूप से वर्ग में उपस्थित रहना चाहिए। विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए वर्ग में 75 प्रतिशत

उपस्थिति अनिवार्य है।

40 नियमों की जानकारी न होने का बहाना मान्य नहीं होगा।

41 साईकिल स्टेंड में साईकिल दो लॉक लगाकर रखना है।

42 नामांकन के लिए चयनित विद्यार्थियों का शैक्षिक सत्र सामान्यतः जून महीने से प्रारम्भ होगा।

42 महाविद्यालय में नामांकित छात्र / छात्राओं के लिए 'स्थापित ड्रेस कोड' का अनुपालन अनिवार्य होगा।

42 महाविद्यालय में नामांकित छात्र / छात्राओं के लिए 'स्थापित ड्रेस कोड' का अनुपालन अनिवार्य होगा।

ड्रेस कोड संकेत	छात्र	छात्रा	रंग - संकेत
पैन्ट	सलवार	ब्लैक	
शर्ट	कुर्ती	लाइट क्रीम	
टाई		दुपट्टा-काल एवं टाइ-मेरुन	
जूता	काला	काला	
मोजा	उजला	उजला	

43 प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आत्म अनुशासन एवं आदर्श परिसर नियम का अनुपालन अनिवार्य होगा। इसका उल्लङ्घन करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के साथ-साथ महाविद्यालय से निष्कासन जैसे कठोरतम कार्यवाही तक की जायेगी।

44 महाविद्यालय सूचना पट का अवलोकन छात्र-छात्राओं द्वारा नियमित रूप से किया जाना अनिवार्य है।

45 किसी भी तरह की समस्या होने पर विद्यार्थी आवेदन पत्र के साथ स्थूल समस्या के समाधान हेतु प्रशाननावार्य से मिल सकते हैं।

त्रिवर्षीय स्नातक कला प्रतिष्ठा

(अ) अनिवार्य विषय

राष्ट्रभाषा एवं मातृभाषा (खण्ड 1 एवं खण्ड 2 में)

हिन्दी भाषियों के लिए हिन्दी 100 अंक

हिन्दीतर भाषियों के लिए

1. हिन्दी 50 अंक 2. उर्दू, मैथिली तथा अंग्रेजी में कोई एक विषय 50 अंक

प्रतिष्ठा एवं आनुषांगिक/सामान्य

(आ) प्रतिष्ठा भाषा एवं साहित्य हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला, उर्दू, मैथिली, संस्कृत और फारसी, इतिहास अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, गणित राजनीति विज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, औद्योगिक सम्बन्ध एवं कार्मिक प्रबन्ध, भाषा एवं साहित्य विषयक प्रतिष्ठा के साथ सामान्यतः एक अन्य भाषा एवं साहित्य भी पढ़ा जा सकता भाषा एवं साहित्य से मिल अन्य विषयों में प्रतिष्ठा के साथ एक ही भाषा एवं साहित्य है। परन्तु भाषा एवं साहित्य से मिल अन्य विषयों में प्रतिष्ठा के साथ एक ही भाषा एवं साहित्य विषय का अध्ययन संभव है।

प्रतिष्ठा खण्ड 1:200 अंक, खण्ड 2:200 अंक, खण्ड 3:400 अंक आनुषांगिक/सामान्य: खण्ड प्रथम

100 अंक, खण्ड 2:100 अंक, सामान्य खण्ड 3:100 अंक

(इ) सामान्य अध्ययन : केवल खण्ड 3, 100 अंक



त्रिवर्धीय रूपातक विज्ञान प्रतिष्ठान

विषय चयन में प्रतिबन्ध
महाविद्यालय समय सारिणी के अनुसार

- इतिहास या गणित प्रतिष्ठान के साथ आनुपर्याक रूपात शास्त्र या गणित या इतिहास नहीं पढ़ा जा सकता है।
- भूगोल प्रतिष्ठान के साथ आनुपर्याक मनोविज्ञान तथा मनोविज्ञान प्रतिष्ठान के साथ भूगोल आनुपर्याक नहीं पढ़ा जा सकता है।
- दर्शनशास्त्र प्रतिष्ठान के साथ आनुपर्याक अर्थशास्त्र तथा अर्थशास्त्र प्रतिष्ठान के साथ आनुपर्याक दर्शनशास्त्र नहीं पढ़ा जा सकता है।
- सामान्य पाठ्यक्रम में समाजशास्त्र, गणित और इतिहास में से कोई एक विषय ही अति विशेष अवस्था में पढ़ाया जा सकता है।
- अर्थशास्त्र और दर्शन शास्त्र में से एक विषय ही अति विशेष अवस्था में पढ़ा जा सकता है।

अध्ययन के विषय और कार्य तात्परी की जावशक्ति के अनुसार विद्यार्थियों के वर्ग खण्ड (सेक्सन) का निर्धारण किया जायेगा।

इस सूची में जो विषय समूह नहीं है, उसका चयन नहीं किया जा सकता है। किसी विषय समूह में $10/16$ से कम विद्यार्थी होने पर उसे प्रतिबंधित कर दिया जा सकता है।

जिन्होने आई.ए./आई.एस.सी. में गणित/सांख्यिकी/भूगोल का अध्ययन नहीं किया है, वे बी.एस.-सी में इन विषयों का अध्ययन नहीं कर सकते हैं।

आई.एस.सी. उत्तीर्ण विद्यार्थी बी.ए. में नामांकित हो सकते हैं और यदि उन्होने कम-से-कम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं तो प्रतिष्ठान विषय का भी अध्ययन कर सकते हैं।

त्रिवर्धीय रूपातक विज्ञान प्रतिष्ठान

(अ) अनिवार्य विषय

राष्ट्रमाणा एवं मातृभाषा (खण्ड 1 एवं खण्ड 2 में)	हिन्दीतर भाषियों के लिए
हिन्दी भाषियों के लिए हिन्दी 50 अंक	1. हिन्दी 50 अंक
	2. उर्दू मैत्रिली तथा अंग्रेजी में कोई एक विषय 50 अंक

(आ) प्रतिष्ठान सहित कोई एक वैकल्पिक विषय-समूह

PCM (Phy., Chem., Math)	PCB (Phy., Chem., Bio.)		
Hons. Physics Chem. Math	Subs. Chem & Math Phy & Math Chem & Phy	Hons. Botany Zoology Chem.	Subs. Zoo & Chem. Bot. & Chem Bot & Zoo

जिन्होने आई.एस.सी. में जिस विषय का अध्ययन नहीं किया है, वे उस विषय का अध्ययन बी.एस.सी. में नहीं कर सकते हैं।

प्रतिष्ठान खण्ड 200 खण्ड 2 : 200 अंक
आनुपर्याक/सामान्य : खण्ड 1 : 100
खण्ड 3 : 400 अंक
खण्ड 2 : 100 अंक
सामान्य खण्ड 3 : 100 अंक

विवरोंव स्नातक प्रतिष्ठा (बी.ए./बी.एस.-सी आनस)
प्रथम वर्ष (छाण्ड १) में देय शुल्क

		एक महीने का शुल्क
(क)	गांधीन	रु० 12.00
(ख)	पासिक शुल्क कला	रु० 13.00
(ग)	विज्ञान : गणित समूह	रु० 14.00
(घ)	जीव विज्ञान समूह	रु० 400.00
(ङ)	विविध (वार्षिक)	रु० 100.00
(प)	महाविद्यालय विकास (वार्षिक)	रु० 40.00
(इ)	पहचान पत्र	रु० 02.00
(ब)	सद्भावना समिति	रु० 01.00
(अ)	५० डब्ल्यू० एफ०	रु० 100.00
(ज)	विश्वविद्यालय पंजीयन (विहार बोर्ड) (अन्य बोर्ड)	रु० 200.00
(झ)	प्रयोगशाला सुरक्षा निधि	रु० 50.00
(ऋ)	जेनरेटर	रु० 30.00
(ट)	एन० एस० एस०	रु० 50.00
(ठ)	कालेज कैलेन्डर	रु० 25.00

बायोटेक के छात्रों को बी० एस० सी० जीव विज्ञान का शुल्क लगता है। बी० ए०/ बी० इस० सी० खंड द्वितीय एवं तृतीय को पंजीयन शुल्क छोड़कर सभी शुल्क लगेंगे।

लड़का शुल्क (Boys)

	चार छात्रों के	एक छात्र के	चार छात्रों के	एक छात्र के
	लिए नीचे	लिए नीचे का	लिए ऊपर	लिए ऊपर
	कमरा	कमरा	का कमरा	का कमरा
(१) स्थान	110.00	165.00	165.00	275.00
(२) विकल्पी	275.00	275.00	275.00	275.00
(३) रथारथाव	480.00	480.00	480.00	480.00
(४) प्रेत्र शुल्क	10.00	15.00	15.00	25.00
(५) विकिसा	110.00	110.00	110.00	110.00
(६) अक्षराम्बिक विकिसा	10.00	10.00	10.00	10.00
(७) घोड़न यात्रों के लिए व्यवस्था	30.00	30.00	30.00	30.00
(८) शोभन स्म तथा खेल-कूद	60.00	60.00	60.00	60.00
(९) विद्या शुल्क	50.00	50.00	50.00	50.00
(१०) मुख्य गांव	150.00	150.00	150.00	150.00
(११) अन्य	50.00	50.00	50.00	50.00
	1455.00	1510.00	1510.00	1620.00

लड़का शुल्क (Girl's Hostel) : @ 500/- per Month Rs. 6000/- Per Year

मी. कृष्ण छावाचारा @ 500/- per Month Rs. 6000/- Per Year

तेजनारायण बनैली महाविद्यालय, भागलपुर (बिहार)



श्री विरेन्द्र कुमार मंडल	लैव व्याँय	श्री एतवारी हरिजन	स्वीपर
श्री दिनेश्वर सिंह	लैव व्याँय	श्री वाल्मिकी मंडल	आदेशपाल
श्री निरंजन प्रसाद साह	लैव व्याँय	श्री सतीश मंडल	दरवान
श्री राम प्रकाश राय	लैव व्याँय	श्री नरेश झा	आदेशपाल
श्री उमेश प्रसाद सिंह	लैव व्याँय	श्रीमती विमला देवी	स्वीपर
श्री जवाहर राय	लैव व्याँय	श्री जुगल राय	दरवान
श्री नरसिंह चौधरी	लैव व्याँय	श्री सुदेश अन्धेकर	आदेशपाल
श्री सुदामा हरिजन	लैव व्याँय	श्री पिताम्बर प्रसाद	आई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री शंभूनाथ झा	लैव व्याँय	श्री कृष्ण मंडल	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री राम मंडल	लैव व्याँय	श्रीमती मीना देवी	सफाईकर्मी
श्री दीप नारायण मंडल	लैव व्याँय	श्री उमेश मंडल	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री गोरी दास	लैव व्याँय	श्री वीची राय	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री शोभा कान्त मिश्रा	लैव व्याँय	श्री रघुनन्दन मंडल	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री सुरील मंडल	लैव व्याँय	श्री राजेन्द्र झा	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
चतुर्थवर्गीय कर्मचारी (कला)			
श्री परदेशी हरिजन	स्वीपर	श्री श्रीकात मिश्रा	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री महावीर प्रसाद शर्मा	आदेशपाल	श्री सहदेव मंडल	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्रीमती मनोरमा देवी	आदेशपाल	श्री श्यामानन्द झा	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री ब्रेन टीस हेम्बरम	नाईट गार्ड	श्री नरेश मंडल	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री विष्णुदेव मंडल	आदेशपाल	श्री अरुण कुमार मंडल	पियून
श्री जयप्रकाश राय	आदेशपाल	श्री ललन कुमार	पियून
श्री प्रमोद कुमार ठाकुर	आदेशपाल	श्री लालू मंडल	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री महाराणा प्रताप सिंह	आदेशपाल	श्री शंकर मंडल	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री अर्जीत राम	आदेशपाल	श्री सुलेमान	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
माओ अंसार	आदेशपाल	श्री पंकज कुमार	आदेशपाल
श्रीमती उर्मिला देवी	आदेशपाल	श्री प्रवीण कुमार	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री पटवारी मंडल आदेशपाल		श्रीमती शामि देवी	पियून, गर्ल्स कॉमन रूम
श्री नरेश प्रसाद मंडल मैकेनिक		श्री पुतुल ठाकुर	पियून
श्री फूल कमार सिंह	आदेशपाल	श्री दिलीप कुमार हरि	सफाईकर्मी
श्री गगा मंडल	माली	श्रीमती बृत्तम कुमारी	पियून
श्री गुर्जर कुमार राय	दरवान	श्री सेवेस्टीन हेमग्रेम	वाई सर्मेन्ट कम दरवान
श्री निरंजन मंडल	माली		
श्री तुलो यादव	दरवान		



तेजनारायण बैनेली महाविद्यालय, भागलपुर (बिहार)

GUEST TEACHER

BOTONY

Rupa Dey
Anuj Rani
Praksha Saurabh
Shanker Kumar Pandey

CHEM.

Sanjeev Kumar Choudhary

ECO.

Abhishek Anand
Sarpraj Ramanand Sagar

GEO.

Pravin Kumar
Prabhat Kumar
Gaurav Kumar

HINDI

Jitesh Kumar
Anand Kumar

HISTORY

Pawan Kumar
Mohini Kumari
Prity Kumari

MATHS

Ramanand Raman

IRPM

Kumar Manav
PHY.
Karishma Kumari

POL. SC.

Anand Azad
Sharda Roy

PSY.

Niyati Kapil
Aabha Bharti
Kumari Arti

SANSKRIT

Vinod Choudhary

SOCIOLOGY

Madhukar Dikshit
Tina Twinkle
Rajeev Kumar Poddar

URDU

R.C. Khatoon
Wasi Haider

ZOOLOGY

Navodita Priyadarshini
Surendra Kr. Shitansu
Rakshan

न हि जानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते। (गीता-4.38)
श्रद्धाद्वाल्लभते ज्ञान तत्परः संकरेन्द्रियः। (गीता-4.39)

यहाँ ज्ञान के समान पवित्र करने वाला निःसंदेह कुछ भी नहीं है।
तत्पर एवं जितेन्द्रिय श्रद्धाद्वान् को ज्ञान प्राप्त होता है।

me 2



तेजनारायण बनेर्ली महाविद्यालय, भागलपुर (बिहार)

College Different Committees

♦ College Development Council

Principal	- Chairman
President	- Member
Teachers' Association	- Member
Bursar (Expenditure)	- Member
Bursar (Income)	- Member
CCDC	- Member
University Engineer	- Member
Dr. V.K. Das	- Member
Dr. Ruma Sinha	- Member
Dr. H.K. Chourasia	- Member

♦ Purchase Committee

Principal	- Chairman
Dr. Ranjana	- Member
The Secretary	- Member
Teachers' Association	- Member
Dr. K.C. Mishra	- Member
Dr. Alok Chaubey	- Member
Dr. Rajiv Singh	- Member

♦ Sports Council

Dr. S.K. Roy	- President
Dr. Ranjana	- Vice-President
Dr. Ruma Sinha	- Member
Dr. Manoj Kumar	- Member
Dr. Mushfiq Alam	- Member
Dr. Rajiv Singh	- Member
Dr. Kaushalendra Pd. Singh	- Member
Dr. Aniruddha Kumar	- Member
Dr. D.N. Choudhary	- Member
Dr. Sweta Patahak	- Member
Md. Mirja Abujar Hussein	- Member

♦ Cultural Council

Dr. Ruma Sinha	- President
Dr. Archana Kumari Sah	- Vice President
Dr. Manoj Kumar	- Member
Dr. Anirudh Kumar	- Member
Dr. Chandan Kumar	- Member
Dr. Uma Dave	- Member
Dr. Janak Kumari Shrivastava	- Secretary

♦ Planning (Academic / Administrative) Cell

The Principal	- Chairman
Heads of all the Dept.	- Member
S.O.	- Member

♦ Library Committee

Dr. Vivekanand Sah	- Convenor
Dr. G. Chandra	- Member
Dr. Jagdish Prasad	- Member
Mr. Ashish Priya	- Member
Dr. Suman Kumar	- Member

♦ Disciplinary Committee

Dr. Ranjana	- Convenor
Dr. S.K. Roy	- Member
Dr. Mushfiq Alam	- Member
Dr. Kaushalendra Pd. Singh	- Member
Dr. Sunanda Kumari	- Member
Dr. Aniruddh Kumar	- Member
(NSS Officer)	

♦ Grievance Redressal Cell

Dr. N. Yadav	- Convenor
Dr. M.A. Rizwee	- Member
Dr. Uma Dave	- Member

♦ Sexual Harassment Cell

Dr. Ruma Sinha	- Convenor
Dr. Ranjana	- Member
Dr. Archana Sah	- Member
Dr. Manoj Kumar	- Member
Dr. Uma Dave	- Member

♦ Anti-Ragging Cell

Dr. Archana Kumari Sah	- Convenor
Dr. Ratan Mandal	- Member
Dr. Abid Ansari	- Member
Dr. Uma Kant Prasad	- Member
Dr. Pushpa Lata Dubey	- Member

◆ Sanitation and Cleanliness Committee	
Dr. Arvind Kumar	- Member
Sri Yogesh Kumar	- Asstt.

◆ Debating Society

Prof. M.K. Sinha	- Convenor
Dr. Alok Choubey	- Member
Dr. Mushfiq Alam	- Member
Mr. Ashish Priya	- Member
Dr. Garima Tripathi	- Member

◆ RTI Cell

Shri Bibhas Chandra Jha
Shri Kartik Chakraborty

◆ College Time Table Cell

Amitabh	
Dr. Ramesh Kumar Singh	- Convenor
Dr. Anirudh Kumar	- Joint Convenor
Dr. Ashish Priya	- Member
Dr. Suman Kumar	- Member

◆ Campus Security (Watch and Ward)

Dr. K.C. Mishra	- Warden
Dr. Alok Choubey	- Member
Dr. Rajiv Kumar Singh	- Member

◆ Career Guidance and Placement Cell

Dr. Rajiv Kumar Singh	- Convenor
Prof. Mithilesh Kr. Sinha	- Member
Dr. Shweta Pathak	- Member
Dr. Shibashish Haldar	- Member
Sanjeet Kumar	- Member
Assistant - BCA	

◆ Examination Section

Dr. Kaushalendra Pd. Singh	- Controller
Dr. Amitabh Chakravarty	- Asst. Controller
Sri K.A. Rajesh	- Astt. Controller
Sri Ranjit Parsad	- Assistant

◆ Website Development cum Wi-Fi Cell

Prof. M.K. Sinha	-
Dr. Rajiv Kumar Singh	- Cordinator
Shri Harshavardhan Dixit	

◆ Team of the Nodal Officer for NAAC, 2019

Dr. Rajiv Kumar Singh	- Nodal Officer / Co-ordinator IQAC
Mr. Ashish Priya	- Asst. Nodal Officer
Dr. Shibashish Haldar	- Asst. Nodal Officer
Dr. D.N. Chaudhary	- Member
Dr. Garima Tripathi	- Member
H.V. Dixit (Assistant)	- Member

◆ Drugs and Pharmaceutical Cell

Dr. Belal Ahmad	- Director
Dr. Nilshant Singh	- Asstt. Director

◆ Hostel Management Team

Dr. K.C. Mishra	- Warden of Hostel
East Block Ashwini Hostel	
Dr. Birendra Kr. Mishra	- Superintendent
Mr. Bambam Pd. Singh	- Asst. ..

◆ West Block Hosel

Dr. Yogendra	- Superintendent
Dr. Chandan Kumar	- Asst. ..

◆ Krishna Hostel

Dr. Rajiv Kumar Singh	- Superintendent
Dr. Umesh Paswan	- Asst. ..

◆ Girls Hostel

Dr. Uma Dave	- Superintendent
Dr. V.N. Sah	- Superintendent

◆ UGC Hostel

Dr. V.N. Sah	- Superintendent
Dr. S.K. Roy	- Convenor

◆ Hostel Adm. Committee

Dr. Archana Sah	- Member
Dr. Mushfiq Alam	- Member

◆ Hostel Adm. Committee

Dr. Umakant Prasad
Dr. Anirudh Kumar
Sri Amrendra Kr. Jha (S.O)



तेजनारायण बनेर्ली महाविद्यालय, भागलपुर (बिहार)

♦ Magazine cum Telephone Directory Committee

Dr. Niranjan Pd. Yadav	- Convenor
Dr. M.A. Rizvi	- Member
Dr. Subodh Kr. Mandal	- Member
Dr. Janak Kumari Srivastava	- Member
Dr. Suman Kumar	- Member
Dr. Shivashish Haldhar	- Invitee Member
Dr. S.K. Roy	- "
Dr. Manoj Kumar	- Asst. "
Dr. Amrednra Kr. Jha	-
♦ Admission Committee (Science)	- Convenor
Dr. Gautam Chandra	- Member
Physics Dept.	- Member
Dr. Rajiv Kumar Singh	- Member
Chemistry Dep.	- Member
Dr. Garima Tripathy	- Member
Chemistry Dep.	- Member
Md. Mirza Abuzar Hussain	- Member
Physics Dept.	- Member
Dr. Birendra Kumar Mishra	- Member
Chemistry Dep.	-

Sri Kartik Chandra Chakrawarti - Astt. Member

Sri Anupam Chandra - Astt. Member

♦ Admission Committee (Arts & Commerce)

Dr. Musfique Alam	- Convenor
Political Science	-
Dr. Anirudh Kumar	- Member
Geography	-
Dr. Janak Kumari Srivastava	- Member
Psy.	-
Md. N.H. Nayeem	- Member
Lab. Tech.	-
Sri Om Prakash Jha	- Asst. Member
Sri Yogesh Kumar	- Asst. Member
Sri Jayendra Kumar	- Asst. Member
♦ Prospectus Committee	-
Mr. M.K. Sinha	- Convenor
Dr. S.K. Roy	- Invite Member
Dr. Rajiv Kr. Singh	- Member
Dr. D.N. Choudhary	- Member
Sri B.C. Jha	- Asst. Member
Sri H.V. Dixit	- Asst. Member

STUDENT'S UNION



विद्युत कुमार पाट्टाय
(अध्यक्ष)



विप्रव लक्ष्मी
(अध्यक्ष)



मोनी प्रिया
(महासचिव)



कृष्णी रीशनी
(संयुक्त सचिव)



अभिरत कुमार
(को-अध्यक्ष)

विश्वविद्यालय प्रतिनिधि



साक्षी



रंगित कुमार



अमर कुमार



अंबुज कुमार



अनुग्रह मिश्र



चूषण राज



अभिजन कुमार





विश्वविद्यालय कुलगीत

अंग महाजनपद तव वन्दन शुभ संस्कृतिउद्गाता
वाणीश्वरी वन्दना-मन्दिर धोर तिमिर दुःख-ग्राता

शीश शिखर मन्दार मेरु हियहार गंग की धारा
भक्ति, शक्ति, सभ्यता, सृष्टि की कथा अनंत अगारा
कल्पय सागर मंथन शुभकर ज्योतित ज्ञान-विद्यायक
संस्कृति विविध, ऋचा रचनाकर मानव धर्मोन्नायक
वासुपूज्य, अंगेश कर्ण, सति बिहुला तपयुत् गाथा
अंग महाजनपद तव वन्दन शुभ संस्कृति उद्गाता

विक्रमशिला विरासत निधिकृत गर्वोन्नत तवभा
ऋषि मैंहीं दीपंकर दीपित मानस-यज्ञ मरा
शरतचन्द्र, अरविन्द, विवेकानन्द स्तुत्य तप धाम
कवि रवीन्द्र के गीत राष्ट्रकवि दिनकर स्वर अविराम
कोटि वन्द्य तिलकामाँझी, स्वातंत्र्य-यज्ञ हुतिदाता
अंग महाजनपद तव वन्दन शुभ संस्कृति-उद्गाता

भव्य भारती शिखर सुशोभित तव सुत वीर महान्नग
मातृभूमि स्वातंत्र्य-समर वलिवेदि समर्पित शरण
कोशी, बड़वानल, चान्दन गुर्जित तव कथा झार
शस्य सम्पदा-खचित मालिनी नमन-नमन शर
शील, शक्ति, सौन्दर्य, ज्ञान हित नव-नवपथ-निः
अंग महाजनपद तव वन्दन शुभ संस्कृति उद्गा
वाणीश्वरी वन्दना-मन्दिर धोर तिमिर दुःख-ग्रा

(NAAC द्वारा A ग्रेड प्राप्त)

नामांकन विवरणिका सह निर्देशिका
त्रिवर्षीय स्नातक कला/विज्ञान

सत्र - 2019-2022



मूल्य :
रु० 150/-